# ऐसी ज़िंदगी जीना जिससे परमेश्वर खुश हो (भाग 3)

*बाइबल असल में क्या सिखाती है?* के अध्याय 12 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

**मकसद: खुद को जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।**

## क्या हम सच में परमेश्वर को खुश कर सकते हैं?

### 1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग इस सवाल का जवाब "नहीं" क्यों देते हैं?

_______________________________________________

_______________________________________________

कुछ लोग इस सवाल का जवाब "हाँ" क्यों देते हैं?

_______________________________________________

_______________________________________________

***आप*** क्या मानते हैं?

_______________________________________________

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_______________________________________________

_______________________________________________



www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

## 2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

### यहोवा की आज्ञाएँ हमारे फायदे के लिए हैं और हम पर बोझ नहीं हैं।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 12 के पैराग्राफ 17-19 देखें।)

**यशायाह 48:17, 18 पढ़िए।**

यहोवा की आज्ञाएँ मानने से हमें कैसे फायदा होता है?

________________________________________

________________________________________

________________________________________

**व्यवस्थाविवरण 30:11-14 और भजन 103:14 पढ़िए।**

इन आयतों से कैसे पता चलता है कि यहोवा हमसे ऐसा कोई काम करने के लिए नहीं कहता जिसे करना हमारे बस में न हो?

________________________________________

________________________________________

________________________________________

**जैसे हम गंदे कपड़े उतारकर नए कपड़े पहनते हैं, वैसे ही हमें अपनी पुरानी शख्सियत को उतारकर नयी शख्सियत पहन लेनी चाहिए**



www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

## हमें ऐसी ज़िंदगी जीने की पूरी कोशिश करनी चाहिए, जिससे परमेश्‍वर खुश हो।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 12 के पैराग्राफ 20-22 देखें।)

**रोमियों 12:9 पढ़िए।**

सिर्फ इतना काफी क्यों नहीं कि हम उन कामों से नफरत करें जिनसे परमेश्‍वर नफरत करता है?

**कुलुस्सियों 3:9, 10 पढ़िए।**

"पुरानी शख्सियत" उतार फेंकने के साथ-साथ हमें परमेश्‍वर को खुश करने के लिए और क्या करना होगा?

"नयी शख्सियत" पहनने से आपको क्या फायदे हुए हैं?



www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

## 3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

**खुद को बदलना नामुमकिन है।**

आप उससे कह सकते हैं . . .

**कई लोग आपकी इस बात से सहमत होंगे लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता क्योंकि. . .**

____________________

____________________

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

____________________

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर क्या समझा सकते हैं?

____________________

अगर कोई कहे . . .

**परमेश्वर के नियम मानने से हमारी आज़ादी छिन जाती है।**

आप उससे कह सकते हैं . . .

**यह सच है कि सही-गलत के बारे में परमेश्वर ने हमें कानून दिए हैं। लेकिन मैं मानता हूँ कि इनसे हमारा ही फायदा होता है क्योंकि. . .**

____________________

____________________

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

____________________

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर क्या समझा सकते हैं?

____________________



www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania